Roll no. — 7

-:- यातायात जागरुकता -:-

निबन्ध लेखन प्रतियोगित :-

नाम- कक्षा -

रूपरेखा :-
(i) प्रस्तावना
(ii) यातायात जागरुकता का अर्थ
(iii) यातायात जागरुकता की आवश्यकता
(iv) यातायात जागरुकता का महत्व
(v) यातायात सुरक्षा का नियम
(vi) यातायात दुर्घटना के कारण
(vii) यातायात दुर्घटना के निवारण
(viii) निष्कर्ष

प्रस्तावना :- हमारी इस व्यस्त जीवन शैली में हम अपना समय अधिकतर बाहर ही व्यतीत करते है और यातायात परिवाहनो के बिना यातायात का यात्रा बिल्कुल अपूर्ण है परन्तु यातायात के यही वाहन रोजाना न जाने कितने लोगो की जीवन शैली ही बदल देते है। रोजाना न जाने कितने लोग अपना जीवन मृत्यु में परिवर्तित हो जाती है इसका कारण है यातायात के नियमों का पालन न करना। सरकार के द्वारा जो नियम और कानून यातायात के लिए बनाये गये है उन सभी नियमों का हमे पालन करना चाहिए। हमारे जीवन में जैसे सभी वस्तु मौजूद उसी प्रकार परिवाहन भी मौजूद परिवाहन के भी कई प्रकार होते है जैसे - ट्रक, मोटरसाइ-कल, साईकिल, हवाई जहाज, ट्रेन इत्यादि।

Scanned By Scanner Go

यातायात जागरूकता का अर्थ :-

यातायात का अर्थ है आना - जाना और परिवाहन की सेवा। और जागरूकता का अर्थ है- जागरूक करना या किसी चीज के बारे में किसी को बता के जगाना। इन दो शब्दो से ही पता चलता है की हमे किस प्रकार परिवाहनों की भी सेवा करके खुद की जान बचा के सभी लोगो को जागरूक करना है और इसी प्रकार नियमों का पालन करके सबकी जान बचानी है।

"सड़क सुरक्षा अपनायें"
"अपना कीमती जीवन बचायें"

यातायात जागरूकता की आवश्यकता :-

यातायात की जागरूकता की आवश्यकता हमे इसलिए है ताकि जो लोग नियमों का पालन नही करते उन्हे जागरूक करके समझा सके की इसी प्रकार आपका जीवन दुर्घटना से बच सकता है और उन्हे ये भी बतायें की आपने यह ध्यान दिया होगा अस्पताल मे ज्यादा तर लोग दुर्घटना से ही पीड़ित होते है और कुछ नही बल्कि ज्यादातर लोग मर जाते है इसका नतीजा यही है की जब हम यातायात के नियमो से जागरूक नही होते या जागरूक होते हुए भी उसका पालन नही करते तब हमारे साथ ऐसे दुर्घटना होते है। जीवन को बचाने के लिए यातायात जागरूकता आवश्यक है।

Scanned By Scanner Go

यातायात जागरूकता का महत्व :-

यातायात जागरूकता का महत्व कुछ इस प्रकार है। जब हम यातायात के नियमों के बारे में जानते रहेंगे तभी खुद जागरूक होंगे और दूसरो को भी जागरूक करेंगे और जब एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को जागरूक करेगा तभी यह स्वप्न पूरा होगा सड़क सुरक्षा और जीवन सुरक्षा। तब जाके सबको यातायात के जागरूकता का महत्व समझ आयेगा। जब हम सभी सबको जागरूक करने का प्रयत्न करते रहेंगे तब तक जब तक सभी लोग जागरूक हो जाये।

यातायात सुरक्षा का नियम :-

* कार चलाते समय सीटबेल्ट पहने और मोटरगाड़ी चलाते समय हेल्मेट जरूर पहनें।
* वाहन चलाते समय फोन पे बात न करें।
* भारत में बाई ओर चलने का नियम है।
* ओवर स्पीड में वाहन न चलायें।
* ट्रैफिक सिग्नल्स का पालन करे।

यातायात दुर्घटना के कारण :-

जब हम सरकार के द्वारा दिये गये नियमो का पालन नही करते तब होती है दुर्घटना। कुछ लोग जल्दी में रहते है तो सिग्नल्स को देख के अनदेखा करते है परन्तु हमे ऐसा नही करना चाहिए शराब पीकर जब मोटर गाड़ी या कार चलाई जाती है तब भी लोग भागने की कोशिश करते है। क्योकी उन्हे डर रहता है की कही हम पकड़े न जाये परन्तु हमे किसी भी तरह का नशा करके वाहन नही चलाना चाहिए।

Scanned By Scanner Go

यातायात दुर्घटना के निवारण :-

जब हम यातायात के सभी नियम और कानून का पालन करेंगे तब हमे दुर्घटनाओं का सामना नही करना पड़ेगा। इसका एक ही निवारण है नियम और कानून का पालन करना और सबको इस बात से जागरूक करना।

"वाहन तेज चलाकर दो मिनट का
सूकुन तो मिल जाता है ||
पर जो जान गवाता है
उसकी कीमत कौन चुकाता है ||"

निष्कर्ष :-

वाहन चलाते वक्त हम सभी को सर्तक (अर्लट) रहना चाहिए। और अभिभावक और अध्यापक को बच्चों को इसके बारे में जागरूक करना चाहिए और ये भी सिखाना चाहिए खुद को जागरूक करे और इसरो को भी जागरूक करवाओ ताकि ससार दुर्घटना के क्षेत्र से बच सके और एक सुखी जीवन व्यतीत करे। जब हम सब सभी नियमो और कानून का पालन करेंगे तभी यह सड़क सुरक्षा और जीवन सुरक्षा का स्वप्न पूर्ण होगा।

सर्तक रहे! सुरक्षित रहे।

Scanned By Scanner Go